‘प्रयागराज कुंभ’

चर्चा में क्यों?

25 अगस्त, 2021 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर[प्रयागराज कुंभ, 2019](https://www.drishtiias.com/hindi/) पर केंद्रित **पुस्तक ‘प्रयागराज कुंभ’** का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- प्रयागराज कुंभ पर जनसाधारण को अर्पित इस पुस्तक के संपादक **पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रकाश सिंह** हैं।
- इस पुस्तक का प्रकाशन **भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR)** द्वारा किया गया है।
- गौरतलब है कि प्रयागराज कुंभ, 2019 का आयोजन 15 जनवरी से 4 मार्च, 2019 तक किया गया था।
- प्रयागराज कुंभ में 24 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इतनी बड़ी संख्या की निगरानी के लिये **इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम** स्थापित किया गया था। इसके अलावा **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस** का प्रयोग भी किया गया था।
- प्रदेश सरकार ने धार्मिक और आध्यात्मिक कलेवर के साथ कुंभ के दौरान वैश्विक स्तर पर स्वच्छता, सुरक्षा व सुव्यवस्था का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है।
- प्रयागराज कुंभ सामाजिक सद्भावना का भी प्रतीक बना है। प्रदेश सरकार ने कुंभ की विरासत को **‘सर्व सिद्धिप्रद: कुंभ’ के ‘लोगो’** के माध्यम से प्रचारित किया।
- गौरतलब है कि 450 वर्षों में पहली बार प्रयागराज कुंभ, 2019 में किला स्थित अक्षयवट एवं सरस्वती कूप को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिये खोला गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prayagraj-kumbh